शेख़ीबाज़ – मक्खी

कैसी लगी कहानी?

कक्षा में साथियों के साथ बातचीत करो।

- **तुम्हें कहानी में कौन सबसे अच्छा लगा? क्यों?**

उत्तर कहानी में मुझे लोमड़ी सबसे अच्छी लगी। उसने बड़ी होशियारी से मक्खी को मकड़ी के जाले में फँसाकर उसके व्यर्थ के घमंड को चूर-चूर कर दिया।

- **मक्खी मकड़ी के जाल में फँस गई थी। फिर क्या हुआ होगा? कहानी आगे बढ़ाओ।**

उत्तर मक्खी जाले से निकलने की कोशिश करती रही। लेकिन वह कामयाब न हो सकी। अंत में वह इतनी थक गई कि मकड़ी के सामने अपनी हार मान ली। कुछ देर के बाद वह मर गई।

कहानी का नाम

- **अगर कहानी का नाम मक्खी को ध्यान में न रखकर लोमड़ी और शेर को ध्यान में रखकर लिखा जाता तो उसके क्या-क्या नाम हो सकते थे?**

उत्तर ➢ चतुर लोमड़ी

➢ लोमड़ी ने सिखाया मक्खी को सबक

➢ लोमड़ी ने किया मक्खी का घमंड चूर-चूर

➢ मक्खी और शेर

➢ हारा शेर मक्खी से।

- **अब तुम कहानी के लिए एक और नया शीर्षक सोचो। यह शीर्षक कहानी के किसी पात्र पर नहीं होना चाहिए। (कहानी की किसी घटना के बारे में शीर्षक हो सकता है।)**

उत्तर ➢ एक घमंडी की हार

➢ घमंड मुश्किलें बढ़ाता है।

शेर की जगह तुम

- **मक्खी ने जब शेर को जगाया तो वह आग बबूला हो गया। तुम्हें जब कोई गहरी नींद से जगाता है तो तुम क्या करते हो?**

उत्तर गुस्सा तो मैं भी होता हूँ लेकिन कुछ करता नहीं हूँ।

- **मक्खी उड़ाते-उड़ाते शेर ऊब गया था। तुम क्या करते-करते ऊब जाते हो?**

उत्तर मैं अपनी छोटी बहन को मनाते-मनाते ऊब जाता हूँ।

- **मान लो तुम शेर हो। मक्खी ने तुम्हारे साथ जो कुछ भी किया वह लोमड़ी को बताओ।**

उत्तर लोमड़ी बहन! मैं बहुत दुखी हूँ एक छोटी-सी मक्खी से हारकर। मुझ जैसे जंगल के राजा के साथ उसने इतना बड़ा दुःसाहस किया। देखने में इतनी छोटी है किन्तु मुझसे लड़ने को तैयार हो गई। मेरे गुस्सा का उस पर कोई असर नहीं पड़ा। वह कभी मेरे कान पर तो कभी मेरी नाक पर बैठ जा रही थी। जब मैं उसे पंजा से मारने जाता वह उड़ जाती। मैंने उसकी इन हरकतों से परेशान होकर हार मान ली। भगवान ने चाहा तो उसका घमंड अवश्य चूर-चूर होगा।

- **शेर तो भोजन करके आराम कर रहा था। तुम खाना खाकर क्या करते हो?**

➢ अक्सर लेट जाता हूँ।

➢ कभी-कभी टी.वी. देखता हूँ।

- **शेर ने भोजन में क्या खाया होगा? तुम क्या-क्या खाते हो?**

उत्तर

हिरण का कच्चा माँस।

दाल, चावल, रोटी, सब्जी, कढ़ी, राजमा, छोले-भठूरे आदि।

किसने क्या कहा

नीचे कहानी से जुड़ी तस्वीरें दी गई हैं। उसमें कुछ न कुछ बोला जा रहा है। सोचो और लिखो कौन क्या बोल रहा है।

उत्तर

जंगल के राजा के मुँह से
ऐसी भाषा शोभा नहीं देती।

मक्खी बहन! अब तुम मुझे छोड़ो।
मैं हारा, तुम जीती।

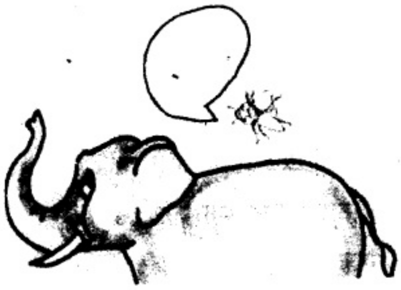

अरे हाथी मुझे प्रणाम कर....
मैंने जंगल के राजा को हराया है।

लोमड़ी रानी! लगता है तुम
मुझसे डर गईं।

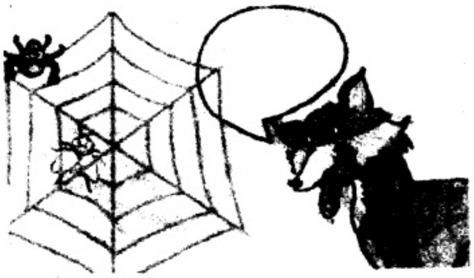

मक्खी रानी, उधर मकड़ी आपको गाली
दे रही थी। जरा उसकी खबर लो न।

कौन क्या?

- **कहानी के हिसाब से बताओ।**

घमंडी	<u>मक्खी</u>	डरपोक	<u>शेर</u>
चतुर	<u>लोमड़ी</u>	सबसे चतुर	<u>लोमड़ी</u>
समझदार	<u>हाथी</u>	आलसी	<u>हाथी</u>।

चुटकी बजाते ही

चुटकी बजाने का मतलब होता है 'बहुत जल्दी कर लेना।'

- तुम कौन-कौन से काम चुटकी बजाते ही कर लेते हो? बताओ।

उत्तर नहाकर तैयार होने तथा दूध पीने का काम।

- अब तुम अपनी एक टोली बनाओ। तुममें से एक लीडर बनेगा। वह बाकी बच्चों को करने के लिए काम देगा जिसे चुटकी बजाते ही करना होगा। जैसे–बाहर से पाँच पत्तियाँ लाओ और उनके नाम बताओ या शेखीबाज़ मक्खी के पात्रों के नाम बताओ। जो सबसे जल्दी कर ले वह लीडर बने।

उत्तर स्वयं करो।

रास्ता ढूँढ़ो

यह मकड़ी उस रास्ते से जाना चाहती है, जिस पर चलकर सबसे ज्यादा जाले मिलें। अंदर जाने के लिए 1, 2, 3, 4 और 5 में से कौन-सा रास्ता होगा?

उत्तर रास्ता नं. 4।

भाषा की बात

- **इन वाक्यों को अपने ढंग से लिखकर बताओ।**
  - ➢ शेर आग-बबूला हो उठा।
  - ➢ उसकी ज़रा खबर लो न।
  - ➢ उस मकड़ी को तो मैं चुटकी बजाते ही खत्म कर देती हूँ।
  - ➢ जंगल के राजा के मुँह से ऐसी भाषा कहीं शोभा देती है।

उत्तर
- ➢ शेर क्रोधित हो गया।
- ➢ जरा उसके पास जाओ।
- ➢ उस मकड़ी को तो मैं क्षणभर में जान से मार डालूंगी।
- ➢ जंगल का राजा ऐसी बात नहीं कहता।

उड़ते-मँडराते

- **इनके पास तुमने अक्सर किन-किन को उड़ते-मँडराते देखा है?**

उत्तर

➢ जलते बल्ब के आसपास	कीड़े	छिपकली
➢ खेतों में	कीड़े	टिड्डे
➢ इकट्ठे पानी के ऊपर	मच्छर	मक्खी
➢ फूलों पर	मधुमक्खी	तितली
➢ कचरे के ढेर पर	मच्छर	मक्खी
➢ हलवाई की मिठाइयों पर	मक्खी	मधुमक्खी

कौन है शेखीबाज़?

- **क्या तुम किसी शेखीबाज़ को जानते हो? कौन है वह? वह किस चीज़ के बारे में शेखी बघारता है?**

उत्तर मैं एक शेखीबाज़ को जानता हूँ। वह मेरे मुहल्ले में रहता है। उसका नाम सुमित है। वह पढ़ने में बहुत तेज है। अतः हर समय अपनी तेजी के बारे में शेखी बघारता रहता है।